जपले हरी नाम नादान काहे इतना करे गुमान लिरिक्स

जपले हरी नाम नादान,
काहे इतना करे गुमान।bd।

बालपन हस खेल गंवाया,
गोरे तन को देख लुभाया,
भुला सबकुछ हुआ जवान,
काहे इतना करे गुमान,
जपलें हरी नाम नादान,
काहे इतना करे गुमान।bd।

आया बुढ़ापा रोग सतावे,
हाथ पैर गर्दन हिल जावे,
तेरी बदल गई वो शान,
काहे इतना करे गुमान,
जपलें हरी नाम नादान,
काहे इतना करे गुमान।bd।

जप तप तूने दान किया ना,
मालिक का कभी नाम लिया ना,
सदा बना रहा हैवान,
काहे इतना करे गुमान,
जपलें हरी नाम नादान,
काहे इतना करे गुमान।bd।

राह मोक्ष की चुन ले बन्दे,
छोड़ जगत के गोरख धंधे,
धरले नारायण का ध्यान,
काहे इतना करे गुमान,
जपलें हरी नाम नादान,
काहे इतना करे गुमान।bd।

जपले हरी नाम नादान

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com